नवोदय टाइम्स

https://www.navodayatimes.in/news/national/government-to-set-up-global-market-intelligence-network-to-increase-exports-of-msme-sector/195850/

MSME क्षेत्र का निर्यात बढ़ाने को वैश्विक बाजार intelligence network स्थापित करेगी सरकार

- Updated 14 hours, 10 minutes ago

नई दिल्ली/नेशनल ब्यूरो। केंद्र सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (MSME) क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में कई अहम कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कोरोना काल में सबसे ज्यादा झटका खा चुके MSME क्षेत्र को मंदी से उबारने और सिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए कई अहम फैसले लेने के साथ ही अब निर्यात को बढ़ावा देने के

लिए वैश्विक बाजार intelligence network स्थापित करने की भी तैयारी शुरू कर दी है, ताकि वे नए बाजार में अपने लिए अवसर तलाश सकें।

नेहरू संग्रहालय का भी बदला नाम, अब PM म्यूजियम के तौर पर होगी पहचान

MSME मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (EDII) की ओर से मंगलवार को यहां आयोजित शिखर सम्मेलन में यह जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री नारायण राणे ने कहा कि सरकार MSME क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में MSME के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से MSME न्यूनतम संसाधनों के मध्य काम कर रहे हैं। ऐसे में अब हमारा ध्यान MSME को आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच मुहैया कराने पर है। हम चाहते हैं कि हमारा MSME क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।

कश्मीरी पंडितों को संबोधित करेंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत

राणे ने कहा कि MSME मंत्रालय एक वैश्विक बाजार intelligence network स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा। एक अनुमान के अनुसार, देश का MSME क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। अभी इससे निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है। लेकिन व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी के चलते MSME क्षेत्र नए बाजार में अवसरों का इस्तेमाल कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से MSME क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा बनाने का आह्वान किया।

सीतारमण बोलीं- केजरीवाल सरकार के लिए बजट बनाना आसान क्योंकि...

मंत्री ने कहा कि MSME को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नए व्यावसायिक विचारों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि EDII जैसे संस्थान MSME को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मददगार हो सकते हैं। राणे ने MSME को भारत की अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बताया और देश की GDP वृद्धि और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि MSME क्षेत्र ग्रामीण औद्योगीकरण के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है।

भगवंत मान का ऐलान- शिक्षकों से पढ़ाने के अलावा कोई अन्य काम नहीं लेंगे

इस मौके पर EDII के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने बताया कि दो दिवसीय इस मेगा शिखर सम्मेलन में भारत, सिंगापुर, पेरू, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन और ईरान आदि देशों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग क्षेत्र से जुड़े थिंक लीडर्स, व्यापार, उद्योग संघ, स्टार्टअप, सामाजिक प्रभाव संगठन, MSME और स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।